अध्याय-3

परीक्षा की योजना एवं पाठ्यक्रम- उच्च माध्यमिक शिक्षक

1. सभी प्रश्न अनिवार्य होंगें ।
2. चयन परीक्षा हेतु 100 अंकों का एक प्रश्न पत्र होगा । परीक्षा की अवधि 2 घंटे होगी।
3. चयन परीक्षा के सभी प्रश्न बहु विकल्पीय (MCQ) प्रकार के होंगे, जिनके चार विकल्प होंगे जिसमे एक विकल्प सही होगा।
4. प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा। प्रश्न पत्र 100 अंक का होगा एवं इस प्रश्नपत्र में 100 बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे जायेंगें।

प्रश्न पत्र के अंतर्गत 16 विषय नीचे तालिका में दिए अनुसार होंगें, जिसमें से अभ्यर्थी अपने स्नातकोत्तर उपाधि के विषय में ही परीक्षा में सम्मिलित हो सकेगा ।

स. क्र.	विषयवस्तु	प्रश्नों की संख्या	कुल अंक
1	हिन्दी	100 प्रश्न	100 अंक
2	अंग्रेजी	100 प्रश्न	100 अंक
3	संस्कृत	100 प्रश्न	100 अंक
4	उर्दू	100 प्रश्न	100 अंक
5	गणित	100 प्रश्न	100 अंक
6	भौतिक विज्ञान	100 प्रश्न	100 अंक
7	जीव विज्ञान	100 प्रश्न	100 अंक
8	रसायन विज्ञान	100 प्रश्न	100 अंक
9	गृह विज्ञान	100 प्रश्न	100 अंक
10	वाणिज्य	100 प्रश्न	100 अंक
11	इतिहास	100 प्रश्न	100 अंक
12	भूगोल	100 प्रश्न	100 अंक
13	राजनीति शास्त्र	100 प्रश्न	100 अंक
14	अर्थ शास्त्र	100 प्रश्न	100 अंक
15	कृषि	100 प्रश्न	100 अंक
16	समाजशास्त्र	100 प्रश्न	100 अंक

8. विषयवस्तु का स्तर

- विषयवस्तु का स्तर स्नातकोत्तर स्तर के समकक्ष होगा। इस प्रश्नपत्र में प्रश्न म.प्र. राज्य के कक्षा 11 एवं 12 के प्रचलित पाठ्यक्रम की विषयवस्तु पर आधारित होगें लेकिन इनका कठिनाई स्तर एवं संबद्धता (लिंकेज) स्नातकोत्तर स्तर काहोगा ।

आयुक्त
लोक शिक्षण संचालनालय
मध्यप्रदेश, भोपाल

उप सचिव
मध्यप्रदेश शासन
जनजातीय कार्य विभाग, भोपाल

indianextexam

उच्च माध्यमिक शिक्षक चयन परीक्षा
विषय – हिन्दी

इकाई 1

- हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि: प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ , मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ - पालि, प्राकृत, शौरसेनी, अर्द्धमागधी, मागधी, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ, अपभ्रंश, अवहठ्ठ और पुरानी हिन्दी का संबंध, आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ और उनका वर्गीकरण

इकाई 2

- हिन्दी का भौगोलिक विस्तार : हिन्दी की उपभाषाएँ, पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी वर्ग और उनकी बोलियाँ, खड़ीबोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएँ
- हिन्दी के विविध रूप : हिन्दी, उर्दू, दक्खिनी, हिन्दुस्तानी

इकाई 3

- हिन्दी का भाषिक स्वरूप : हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था - खंड्य और खंड्येतर, हिन्दी ध्वनियों के वर्गीकरण का आधार
- हिन्दी भाषा के विविध रूप : बोली, मानक भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, सम्पर्क भाषा, संचार माध्यम और हिन्दी, कम्प्यूटर और हिन्दी, हिन्दी की संवैधानिक स्थिति
- देवनागरी लिपि: विशेषताएँ और मानकीकरण

इकाई 4

- हिन्दी साहित्येतिहास दर्शन , हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की पध्दतियाँ, हिन्दी साहित्य का काल विभाजन एवं नामकरण , विभिन्न इतिहास ग्रन्थ एवं उनके रचनाकार

इकाई 5

- पद्य साहित्य (आदिकाल, भक्तिकाल) की सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, प्रमुख प्रवृत्तियाँ, रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ

इकाई 6

- पद्य साहित्य (रीतिकाल, आधुनिक काल) की सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, प्रमुख प्रवृत्तियाँ, रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ

इकाई 7

- गद्य की प्रमुख विधाओं (कहानी, उपन्यास, नाटक, एकांकी, आलोचना)का विकास, प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख साहित्यकार एवं उनकी रचनाएँ

इकाई 8

- गद्य की गौण विधाओं (आत्मकथा, जीवनी, संस्मरण, रेखाचित्र, पत्र, डायरी, यात्रा-वृत्तांत , साक्षात्कार) का विकास, प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख साहित्यकार एवं उनकी रचनाएँ

इकाई 9

- काव्य-परिभाषा, काव्य के विभिन्न भेद एवं उनका सामान्य परिचय, रस, छंद (दोहा, चौपाई, सोरठा, कवित्त, रोला, उल्लाला, सवैया, गीतिका, हरिगीतिका), अलंकार (अनुप्रास, यमक, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अन्योक्ति, अतिशयोक्ति, मानवीकरण, पुनरुक्तिप्रकाश, दृष्टांत, विशेषोक्ति, उद्धरण, संदेह, भ्रांतिमान, विभावना, व्यतिरेक, विरोधाभास), शब्द शक्तियाँ, काव्य गुण ,काव्य दोष, बिम्ब विधान

इकाई 10

- शब्द और शब्द भण्डार- स्त्रोत के आधार पर (तत्सम, तद्भव,देशज,विदेशी,संकर,क्षेत्रीय) अर्थ के आधार पर (पर्यायवाची,विलोम अनेकार्थी, समोच्चारित भिन्नार्थक, अनेक शब्दों/वाक्यांश के लिए एक शब्द), प्रयोग के आधार पर (सामान्य, तकनीकी), रचना के आधार पर (रूढ़, यौगिक, योग रूढ़), व्याकरणिक आधार पर (विकारी व अविकारी) उपसर्ग, प्रत्यय और आंचलिक शब्द, शब्द-युग्म

इकाई 11

- वाक्य संरचना- वाक्य के भेद (रचना के आधार पर, अर्थ के आधार पर) वाक्य विश्लेषण, संश्लेषण एवं रूपांतरण, वाक्य रचना संबंधी अशुद्धियाँ, वाक्य परिवर्तन, मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ, सन्धि, समास, हिन्दी की रूप रचना - लिंग, वचन और कारक व्यवस्था के सन्दर्भ में संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया रुप

इकाई 12

- अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र, प्रक्रिया एवं प्रविधि ,हिन्दी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका,कार्यालयीन हिन्दी और अनुवाद, जनसंचार माध्यमों का अनुवाद,विज्ञापन में अनुवाद,वैचारिक साहित्य का अनुवाद,कार्यालयीन अनुवाद, पदनाम, विभाग आदि । कार्यालयीन एवं प्रशासनिक शब्दावली

इकाई 13

- जनसंचार प्रौद्योगिकी एवं चुनौतियाँ,विभिन्न जनसंचार माध्यमों का स्वरूप, मुद्रण, श्रव्य, दृश्य, श्रृव्य माध्यम रेडियो , इंटरनेट,मौखिक भाषा की प्रकृति, समाचार लेखन एवं वाचन, रेडियो नाटक, उद्घोषणा लेखन, विज्ञापन लेखन, फीचर तथा रिपोर्ताज,दृश्य श्रृव्य के माध्यम (फिल्म, टेलीविजन, विडियो), दृश्य माध्यमों में भाषा की प्रकृति, दृश्य एवं श्रव्य सामग्री का सामंजस्य, पार्श्व पटकथा लेखन, टेलीड्रामा, वाचन (वॉयस ओवर), डॉक्यू ड्रामा, संवाद लेखन, साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपान्तरण, विज्ञापन की भाषा

indianextexam